

पाठ -5

जन-संघर्ष और आन्दोलन

यद्यर रखने योग्य बातेः :-

- (1) दबाव समूह - लोगों का एक ऐसा समूह जो सरकार की जातियों को प्रभावित करता है।
- (2) हित समूह - लोगों का समान हित और लक्ष्य से प्रेरित औपचारिक संगठन।
- (3) माओवादी - चीन की क्रान्ति के नेता माओ की साम्यवादी विचारधारा को मानने वाले साम्यवादी।
- (4) नेपाल का जन संघर्ष - राजा वीरेन्द्र द्वारा संवैधानिक राजतंत्र के लिए सहमति।
- (5) एस. पी. ए - सेवन पाद्री अलांयस (नेपाल का सप्तदलीय गठबंधन)
- (6) बोलिविया - लैटिन अमेरिका का एक निर्धन देश
- (7) एन. ए. पी. एम. - बोलिविया का राष्ट्रीय गठबंधन - एक आंदोलन समूह।
- (8) बामसेफ - पिछड़े एवं अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारियों का परिसंघ
- (9) संगठन - किसी विशेष उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एकत्रित एवं व्यवस्थित जन-समूह।
- (10) पूर्ण बहुमत - कुल मतदान के 50 प्रतिशत से ज्यादा मत प्राप्त करने की दशा

बहुवैकल्पिक प्रश्न (1 अंक वाले)

प्रश्न 1 : बोलिविया का जल युद्ध निम्न में से लोगों का संघर्ष था।

- (क) बोलिविया में पानी के निजीकरण के खिलाफ
- (ख) लोकतंत्र को कायम करने के खिलाफ
- (ग) पर्यावरण को बचाने के खिलाफ
- (घ) वैश्वीकरण के समर्थन के लिए

प्रश्न 2 : सन् 2006 के अप्रैल महीने में नेपाल में एक विलक्षण जन-आंदोलन हुआ। इस आंदोलन का उद्देश्य था।

- (क) लोकतन्त्र कायम करना (ख) पर्यावरण की सुरक्षा करना
- (ग) मार्क्सवादी शासन कायम करना।
- (घ) राजा को हटाना।

प्रश्न 3 : नेपाल में कब लोकतंत्र स्थापित हुआ?

- (क) 1960 ई. (ख) 1970 ई.
- (ग) 1980 ई. (घ) 1990 ई.

प्रश्न 4 : उन समूहों को क्या कहते हैं जो सरकारी नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं

- (क) आंदोलनकारी समूह (ख) दबाव समूह
- (ग) लोक कल्याण समूह (घ) कोई नहीं

प्रश्न 5 : उन संगठनों को क्या कहते हैं जो अपने हितों को बढ़ावा देने के लिए बने हों?

- (क) लोक कल्याण समूह (ख) आंदोलनकारी समूह
- (ग) हित समूह (घ) आंदोलन

प्रश्न 6 :- 'जन संघर्ष प्रजातंत्र के कामकाज का अधिन्न अंग है।' निम्नलिखित में से इस कथन का समर्थन करता है।

- (क) बोलिविया में जल के निजीकरण के विरुद्ध जन-संघर्ष
- (ख) नेपाल के राजकीय परिवार में रहस्य नरसंहार
- (ग) 2005 में तत्कालीन राजा ज्ञानेन्द्र द्वारा संसद को भाँग करना
- (घ) नेपाल में माओवादियों का उद्भव

प्रश्न 7 :- निम्नलिखित में से कौन जन-आंदोलन की एक विशेषता है?

- (क) यह चुनाव में भाग नहीं लेती है।
- (ख) इसका एक मजबूत संगठन होता है।
- (ग) इसका एक कमजोर संगठन होता है।
- (घ) इसमें निर्णय-निर्माण बहुत औपचारिक एवं दृढ़ होता है।

- (क) श्रम संगठन (ख) व्यावसायिक संगठन
- (ग) व्यावसायिक इकाइयाँ
- (घ) पिछड़ा तथा अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी संगठन (बामसेफ)

प्रश्न 9 :- फेडेकोर क्या था?

- (क) यह बोलिविया की एक राजनीतिक पार्टी थी।
- (ख) यह बोलिविया के दलों का एक समूह था।
- (ग) इस संगठन में इंजीनियर और पर्यावरणवादी समेत स्थानीय कामकाजी लोग शामिल थे।
- (घ) यह लोगों का गठबंधन था।

प्रश्न 10 :- नेपाल के लोकतांत्रिक आंदोलन एवं बोलिविया जल युद्ध के बीच क्या समानताएँ थीं?

- (क) प्रादेशिक भागीदारी (ख) हिसंक संघर्ष
- (ग) जनता की लामबंदी (घ) धार्मिक सुधार

लघु उत्तर वाले प्रश्न (3/4 अंक)

प्रश्न 1 :- दबाव-समूह और राजनीतिक दल में क्या अंतर है?

प्रश्न 2 :- दबाव-समूह क्या है? उदाहरण देकर बताओ।

प्रश्न 3 :- हित समूह के तीन कार्यों का वर्णन कीजिए?

प्रश्न 4 :- नेपाल और बोलिविया के जनसंघर्षों की दो-दो समानताओं और दो-दो असमानताओं को बताइए?

प्रश्न 5 :- चुनाव घोषणा पत्र क्या होता है? इसका महत्व बताइए?

प्रश्न 6 :- कोई मत कब अवैध हो जाता है?

प्रश्न 7 :- दबाव समूह राजनीति पर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं?

प्रश्न 8 :- निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए -

- (क) फेडेकोर
- (ख) निर्वाचन
- (ग) सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार
- (घ) चुनाव याचिका

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर

उत्तर 1:- (क) बोलिविया में पानी के निजीकरण के खिलाफ

उत्तर 2:- (क) लोकतंत्र कायम करना

उत्तर 3:- (घ) 1990 ई.

उत्तर 4:- (ख) दबाव समूह

उत्तर 5:- (ग) हित समूह

उत्तर 6:- (क) बोलिका में जल के निजीकरण के विरुद्ध जन-संघर्ष

उत्तर 7:- (ग) इसका एक कमज़ोर संगठन होता है।

उत्तर 8:- (घ) पिछड़ा तथा अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी संगठन (बामसेफ)

उत्तर 9:- (ग) इस संगठन में इंजीनियर और पर्यावरणवादी समेत स्थानीय कामकाजी लोग शामिल थे।

उत्तर 10 :- (ग) जनता की लामबंदी।

लघु प्रश्नों के उत्तर

उत्तर राजनीतिक दल

दबाव समूह

(1) ये सरकार में प्रत्यक्ष भागीदार होते हैं (1) ये सरकार में प्रत्यक्ष भागीदार नहीं होते

(2) ये पूरी तरह संगठित होते हैं। (2) इनका संगठन ढीला-ढाला होता है।

(3) इनका विस्तार क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर होता है। (3) इनका प्रभाव सीमित होता है।

(4) इनका लक्ष्य लम्बी अवधि वाला होता है। (4) छोटी अवधि वाला

उत्तर 2 :- दबाव समूह लोगों का ऐसा समूह जो सरकार की नीतियों को प्रभावित करके अपने उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं।

उदाहरण

(क) किसान संघ - अखिल भारतीय किसान यूनियन

(ख) अध्यापक संघ - अखिल भारतीय अध्यापक परिषद्

(ग) छात्र संगठन - अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्

(घ) व्यापारी संघ - अखिल भारतीय व्यापार मण्डल

उत्तर 3 :- हित समूह के कार्य -

- (1) जनमत का निर्माण
- (2) हड़तालों और प्रदर्शनों की व्यवस्था करना।
- (3) निर्वाचन के समय राजनीतिक दलों का समर्थन

उत्तर 4 :- समानताएँ

- (1) ये दोनों लोकतांत्रिक आंदोलन थे।
- (2) ये दोनों संघर्ष सफल रहे।
- (3) ये दोनों पूरे विश्व के लोकतंत्रवादियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।
- (4) ये दोनों राजनीतिक संघर्ष के उदाहरण हैं।

असमानताएँ

- (1) नेपाल में संघर्ष देश की राजनीति के आधार से संबंधित था।
- (2) बोलिविया का संघर्ष किसी विशेष नीति से संबंधित था।

उत्तर 5 - इसमें राजनीतिक दलों द्वारा अपने-अपने कार्यक्रमों नीतियों तथा उद्देश्यों का विवरण रहता है। महत्व

- (1) इसके द्वारा किसी दल की आंतरिक या बाहरी नीतियों का पता चलता है।
- (2) चुनाव पश्चात किए जाने वाले कार्यों की जानकारी देना।
- (3) इसमें वर्णित कार्य कराने के लिए जनता सरकार पर दबाव डालती है।

उत्तर 6 :- (1) मतदाता मतपत्र में किसी जगह अपने हस्ताक्षर कर दे।

- (2) मतपत्र को फाड़ दे।
- (3) मतपत्र या ई० वी० एम० पर किसी प्रकार का निशान न लगाये।
- (4) जब मतदाता का एक से ज्यादा प्रत्याशियों को निशान लगाना।

उत्तर 7 :- (1) दबाव समूह में शामिल लोग प्रत्यक्ष रूप से चुनाव में भाग नहीं लेते परन्तु चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं।

- (2) ये अप्रत्यक्ष रूप से उम्मीदवारों की मदद करते हैं।
- (3) ये सरकार पर दबाव डालने के लिए धरना, प्रदर्शन, हड़ताल सभा का आयोजन करते हैं।

जन-जन अभियान चलाना, जन सभा का आयोजन करना।

- (5) दबाव समूह और आंदोलन अपने संगठन में बड़े नेताओं को जोड़ने का प्रयास करते हैं जिससे कि उनका प्रभाव बढ़ जाए।

उत्तर 8 :- फेडेकोर - फेडेकोर बोलिविया के समस्त हित-समूहों का एक संयुक्त परिसंघ है।

निर्वाचन - मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करता है। सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार - 18 वर्ष या अधिक के आयु के सभी नागरिकों को सरकार के निर्वाचन में मत देने का अधिकार।

चुनाव याचिका - चुनाव के वक्त गलत तरीकों का प्रयोग करके मतदान को प्रभावित करने पर किसी भी सदस्य द्वारा न्यायलय में चुनाव याचिका प्रस्तुत की जाती है। जिसका न्यायलय परीक्षण करता है।